मप्र में मंगुभाई पटेल के नए कार्यकाल को लेकर संशय

कन्हैया लोधी

भोपाल, 27 जून. मप्र के मौजूदा राज्यपाल मंगुभाई पटेल का मौजूदा कार्यकाल 7 जुलाई को पूरा हो जाएगा. ऐसे में अब मप्र के नए राज्यपाल को लेकर अटकलें लगने लगी है. पटेल 8 जुलाई 2021 को मप्र के राज्यपाल बने थे, तब से लेकर अब तक वे लगातार प्रदेश के राज्यपाल बने हुए हैं. 7 जुलाई को उन्हें बतौर राज्यपाल पांच वर्ष पूरे हो जाएंगे. सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले वे मप्र के सातवें राज्यपाल होंगे.

उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक मौजूदा स्थिति में राज्यपाल के कार्यकाल को विस्तार दिये जाने की संभावना नहीं है. उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें इस दायित्व से मुक्त कर दिया जाएगा. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह उनकी उम्र को बताया जा रहा है. राज्यपाल पटेल ने इसी माह 82 वर्ष की आयु पूरी कर ली है. किसी भी व्यक्ति के लिए इस उम्र में बड़े संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना आसान नहीं होगा. ऐसे में केवल नए राज्यपाल की नियुक्ति तक ही उनको विस्तार मिल सकता है या फिर उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले ही मप्र के लिए राज्यपाल की नियुक्ति की जा सकती है. संभावना जताई जा रही है कि मप्र को जुलाई में ही नए राज्यपाल मिल सकते हैं. मप्र के पिछले आधा दर्जन राज्यपाल को देखें तो गुजरात, उत्तरप्रदेश, पंजाब और दिल्ली का दबदबा रहा है. इस बार ये परिपाटी टूटने की संभावना जताई जा रही है. यानी अब जो भी राज्यपाल मिलेगा, वह कम से कम इन राज्यों से नहीं होगा.

ट्राइबल सेल के लिए जाने जाएंगे मंगुभाई पटेल

मंगुभाई पटेल को बेहद सुलझे हुए राज्यपाल के रूप में जाना जाता है, व्यवहार कुशल, नम्र और म्रदु व्यवहार उनकी पहचान है, लेकिन मप्र के राज्यपाल बनने के बाद वे नए नवाचार के लिए भी जाने जाएंगे. सबसे बड़ी बात उन्होंने राजभवन में अलग से ट्राइबल सेल की स्थापना की. उनकी निगरानी में ये सेल प्रदेश में जनजाति समुदाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की लगातार मॉनीटरिंग करती है. इस सेल का दायित्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अधिकारी दीपक खांडेकर को दिया गया है.

रामनरेश यादव के बाद पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले दूसरे राज्यपाल होंगे पटेल

मंगुभाई पटेल पिछले एक दशक बाद राज्यपाल का पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले दूसरे राज्यपाल होंगे. रामनरेश यादव आखिरी राज्यपाल थे, जिन्होंने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था. उप्र से आने वाले यादव को 8 सितंबर 2011 को राज्यपाल बनाया गया था और वे 11 जुलाई 2016 तक मप्र के राज्यपाल बने रहे. उनके बाद मप्र में ओपी कोहली, आनंदीबेन पटेल, लालजी टंडन और एक बार फिर आनंदी बेन पटेल को राज्यपाल बनाया गया, लेकिन इनमें से कोई भी पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया. अब मंगुभाई पटेल ही ये कार्यकाल पूरा करने की दहलीज पर पहुंच गए हैं.

> मप्र में अब तक मंगुभाई पटेल को मिलाकर कुल 30 राज्यपाल की नियुक्ति की गई है. तब से लेकर अब तक पटेल को मिलाकर महज सात राज्यपाल ही पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने में कामयाब हुए हैं. इनमें हरिविनायक पाटस्कर सबसे अधिक समय तक मप्र के राज्यपाल रहे हैं. उन्हें 14 जून 1957 को राज्यपाल बनाया गया था और वे 10 फरवरी 1965 तक राज्यपाल बने रहे थे. इस तरह वे सात वर्ष सात माह तक मप्र के राज्यपाल बने रहे. इनके अलावा केसी रेड्डी, सत्यनारायण सिन्हा, भाई महावीर, बलराम जाखड़ और रामनरेश यादव ने कार्यकाल पूरा किया.

मध्यप्रदेश में मानसून की रफ्तार थमी

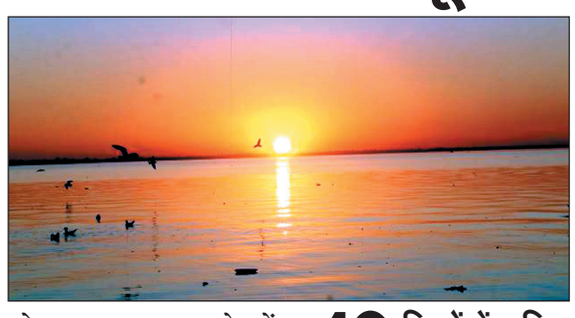

भोपाल, 27 जून. मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल थम गई है. 15 जिलों में प्रवेश के बाद पिछले तीन दिनों से मानसून आगे नहीं बढ़ सका है, हालांकि बारिश का सिलसिला कई इलाकों में जारी है. मौसम विभाग ने प्रदेश के 43 जिलों में बारिश का अलर्ट शनिवार को जारी किया है.

43 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले 2 से 3 दिनों में अनुकूल परिस्थितियां बनने पर मानसून के फिर से सक्रिय होने और भोपाल-उज्जैन संभाग की ओर आगे बढ़ने की संभावना है. ग्वालियर-चंबल अंचल में मानसून की दस्तक सबसे आखिर में होने का अनुमान है. 24 जून को मानसून ने प्रदेश के दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी हिस्से के 15 जिलों में प्रवेश किया था.

> भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, सीहोर, विदिशा, धार, खंडवा, खरगोन सहित कुल 43 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं कुछ जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति रह सकती है. बारिश के चलते प्रदेश के अधिकतर शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना बना हुआ है. मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में बारिश का दायरा और बढ़ सकता है.

जमोड़ी पुलिस ने गुम बालक को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया

नवभारत न्यूज

सीधी, 27 जून. थाना जमोड़ी पुलिस ने गुम बालक को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया ।

पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस ने तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गुम हुए नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस के अनुसार दिनांक 26 जून 2026 को फरियादी ने थाना जमोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 12 वर्षीय पुत्र घर से बाजार में कुरकुरे लेने के लिए गया था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। फरियादी को संदेह था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके नाबालिग पुत्र को बहला-फुसलाकर कहीं ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना जमोड़ी में अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए लगातार तलाश एवं पतारसी की गई, जिसके परिणामस्वरूप आज नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। पूंछताछ में बालक ने बताया कि वह ताजिया देखने चला गया था, जिसके कारण घर वापस नहीं लौट सका। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला और बालिका की मौत

शहडोल. दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. मृतकों में एक 68 वर्षीय बुजुर्ग महिला और एक 11 वर्षीय बालिका शामिल हैं. दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है. पहली घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के कोटरी गांव की है. पुलिस के अनुसार 68 वर्षीय फुलची बाई कोल जंगल में महुआ की डोरी (महुआ के फल/बीज) बीनने गई थीं. इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई. इसकी चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई.

मंत्रालय के गलियारे से

एसीएस का एआई प्रेम

कन्हैया लोधी

प्रदेश के एक ताकतवर अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी लगातार हाईटेक होते जा रहे हैं. ये साहब अब इतने हाईटेक हो गए हैं, कि उन्हें अब बड़े सरकारी सिक्रेट्स डॉक्यूमेंट ड्रॉफ्ट करने के लिए किसी विशेष सहायक की जरुरत ही नहीं रह गई है. साहब स्वयं इतने सक्षम हो गए हैं कि बिना किसी मैनुअल मदद के ऐसे दस्तावेज तैयार कर लेते हैं. दरअसल उन्होंने इस मामले में एआई को अपना भागीदार बना लिया है. अब एआई इतना मैच्योर हो गया है कि वह सरकार को चलाने और उसे दिशा दिखाने में बड़ी भूमिका निभाने लगा है. चुपके से ही सही, सरकार में इसका दखल लगातार बढ़ते जा रहा है. एसीएस के इस एआई प्रेम का दूसरे अफसर भी अनुसरण करने की राह पर है.

सांसद और विधायक की जुगलबंदी

पिछले दिनों मंत्रालय में एक सांसद और विधायक की जुगलबंदी चर्चा का विषय बनी रही. ये दोनों ही नेता एक साथ मंत्रालय में कदमताल करते नजर आए. पहले तो किसी बात को लेकर सरकार के पास गए, फिर वे एक बड़े अफसर के पास पहुंचें. बड़े साहब भी पूरे मूड में थे, उन्होंने पूरे इत्मीनान से दोनों की बातें सुनीं और भरोसा दिलाया कि ऑल इज वेल. वैसे इन दोनों को ही एक केंद्रीय मंत्री के खेमे का माना जाता है. राजनीतिक अभ्युदय में उनका बड़ा रोल रहा है. सांसद को टिकट दिलाने में केंद्रीय मंत्री की बड़ी भूमिका मानी जाती है. वैसे राजनीति में कुछ स्थायी नहीं होता. बहरहाल इसे निष्ठा परिवर्तन से जोड़कर भी देखा जा रहा है.

...और पूर्व मंत्री को केवल आश्वासन ही मिल सका

वैसे तो अब विभागीय रूटीन ट्रांसफर पर रोक लग गई है, ट्रांसफर के सीजन में क्या आम और क्या खास, सब अपने और अपनों के ट्रांसफर के लिए परेशान दिखे. इसी क्रम में एक प्रमुख सचिव के कक्ष में एक पूर्व राज्य मंत्री पहुंचें. वे अपने किसी आत्मीय जन के ट्रांसफर के लिए पीएस से अनुरोध कर रहे थे, लेकिन पीएस ने भी उन्हें प्रक्रिया और पद रिक्त नहीं होने के फेर में ऐसे उलझाया कि पूर्व राज्यमंत्री को केवल आश्वासन ही मिल सका.

विधायक का शक्ति संतुलन

प्रदेश की एक विधायक के शक्ति संतुलन की जबर्दस्त चर्चा है. विधायक महोदया न तो भाजपा में है और न ही कांग्रेस में है. तकनीकी रूप से वे कांग्रेस के साथ दिखतीं हैं, लेकिन भौतिक रूप से भाजपा के साथ, अब कोई उन्हें अपना माने भी तो कैसे. इधर कांग्रेस को उनके मामले में कोर्ट में मुंह की खानी पड़ी है. ऐसे में विधायक महोदया को दोनों ही दलों को उलझाने का और मौका मिल गया है. इसी उलझन में आधा कार्यकाल बीत गया है, अब देखते हैं, बाकी कार्यकाल कब तक ऐसे ही निकलता है.

एक नजर में

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर में बुजुर्ग की मौत

अनूपपुर. जैतहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटाटोला-डोंगरिया मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गईं. पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जैतहरी पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है.

खौलता पानी पीने को मजबूर मरीज

सिंगरौली. जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न की व्यवस्थाएं फिर से बेपटरी पर आ गई हैं. आलम यह है कि सेकेंड फ्लोर में स्थित अधिकांश वार्डो में एसी एवं पंखे जहां खराब हैं, वहीं एक कूलर के सहारे मरीज काम चला रहे हैं. इधर मरीजो को पीने के लिए ठंड पानी नसीब नही हो रहा है. दरसअल जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न फिर से अव्यवस्थाओं में घिरने लगा है. आलम यह है कि इस भीषण गर्मी में मरीजो को वाटर कूलर पानी ठंड के बदले खौलता पानी दे रहा है. बताया जा रहा है कि यह समस्या कई दिनों से है, लेकिन जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर प्रबंधन अनजान बना हुआ है. मरीजो एवं अस्पताल में आने वाले लोगों को खौलता पानी नसीब हो रहा है. वहीं सेकेंड फ्लोर के मेल वार्ड के एसी व पंखे बंद पड़ी हुई हैं और कहीं-कहीं एक कूलर भी लगे हुये हैं.

पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की मांग उठी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 27 जून . मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार पर भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए शिक्षा एवं भर्ती में व्यापक सुधारों की मांग की.

संयुक्त पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह और जयवर्धन सिंह ने युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए राज्यव्यापी जनजागरण अभियान की घोषणा की. जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि लगातार भर्ती घोटालों और परीक्षा संबंधी विवादों से छात्रों एवं नौकरी के अभ्यर्थियों का भरोसा टूट गया है. उन्होंने कहा कि व्यापम से लेकर हालिया भर्ती और नर्सिंग परीक्षा मामलों तक प्रदेश में परीक्षा प्रणाली सवालों के घेरे में रही है. उन्होंने सरकार पर लगभग 4.87 लाख रिक्त पद नहीं भरने का आरोप लगाते हुए वार्षिक भर्ती कैलेंडर, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और सभी परीक्षाओं के लिए एकमुश्त शुल्क व्यवस्था लागू करने की मांग की. जयवर्धन सिंह ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता-जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई.

'छात्रों की गूंज' को गांव-गांव तक ले जाएगी एनएसयूआई

विशेष संवाददाता

भोपाल, 27 जून. मध्यप्रदेश एनएसयूआई ने कांग्रेस के आगामी 'छात्रों की गूंज' अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए 40 दिवसीय राज्यव्यापी अभियान की विस्तृत रणनीति तैयार कर ली है.

एनएसयूआई की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में अभियान के स्वरूप, कार्यक्रमों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से इसे प्रदेशभर में प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया गया. बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के समन्वयक एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय सह-प्रभारी अंशुल त्रिवेदी ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार छात्रों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाते रहे हैं.

सादगी के साथ मनाया गया मोहर्रम का पर्व

नवभारत न्यूज

सीधी 27 जून। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सादगी और धूमधाम के साथ मुस्लिम समाज के द्वारा मुहर्रम का पर्व मनाया गया।

मोहर्रम के एक तारीख से सीधी जमा मस्जिद पीरे तरीकत रहबरे राहे सरियत हजरत अल्लामा सैय्यद कामिल रजा कादरी साहब धनपुरी से तशरीफ लाए और एक मुहर्रम से दस मुहर्रम तक दस्ताने कर्बला का वाकिया सुनाया। किस तरह से ये जंग हुई किस वजह से किया, कितने दिनों भूखा प्यासा रखा गया। मौला हुसैन को खंदाने अहले बैत ने किस तरह खड़ा रहना पड़ता है। कर्बला की जंग सब्र और शुक्र का पैगाम देती है। इन दस दिनी में रोज लंगर और खाने पीने का इंतजाम किया गया। गरीब और मिस्किं की मदद करना बीमारों की जियारत करने सब कुछ करने का दर्स दिया गया। दस रोजा जश्ने सहिदे आजम कॉन्फ्रेंस के अलावा शहर में ताजिया का जुलूस निकाला गया। ताजिया का जुलूस लालता चौक से मस्जिद मोहल्ला गया और वापस लालता चौक लाया गया। इसमें कमेटी के लड़कों के द्वारा मुहर्रम में कर्तव्य दिखाया गया और जगह-जगह पर मुहर्रम पर्व पर कार्यक्रम किया गया।

इस कमेटी का रहा खास योगदान

मोहर्रम पर्व पर जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गुलमाने अहले बौत, आला हजरत वेलफेयर सोसायटी, अल्प संख्यक विकाश कमेटी, अल्प संख्यक प्रकोष्ठ जिला कांग्रेस कमेटी आला हजरत अंजुमन कमेटी, नौजवानों अहले सुन्नत इस सब कमेटियों के सहयोग और सीधी जिला कि मुस्लिमों अवाम के सहयोग से आयोजन को सफल बनाया गया। अल्प संख्यक प्रकोष्ठ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शमशीर अहमद ने सबका शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि लोगो के द्वारा लंगर छबील सरबत और खाने पीने का माकूल इंतजाम किया गया।

पोलियो अभियान आज से

स्टेशनों और ट्रेनों में पिलाई जाएगी दवा

भोपाल, 27 जून. बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में 28 से 30 जून तक विशेष पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा.

डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के निर्देशन में आयोजित इस अभियान के तहत मंडल के 22 रेलवे स्टेशनों पर पोलियो बूथ बनाए गए हैं. भोपाल, इटारसी, बीना, गुना, गंजबासौदा सहित प्रमुख स्टेशनों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी. यात्रियों और रेल कर्मचारियों के बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष मोबाइल टीमें भी गठित की गई हैं. ये टीमें झेलम एक्सप्रेस, पंजाब मेल, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, राजकोट एक्सप्रेस, कर्नाटक एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस और मालवा एक्सप्रेस सहित विभिन्न ट्रेनों में यात्रा कर रहे बच्चों को चलती ट्रेन में ही पोलियो की खुराक देंगी. इसके अलावा रेलवे कॉलोनियों और पैसेंजर ट्रेनों के माध्यम से भी टीकाकरण की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को अभियान का लाभ मिल सके. रेल प्रशासन ने सभी रेल कर्मचारियों, यात्रियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं और पोलियो मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करें.

मंदिरों में सरकार का हस्तक्षेप करें समाप्त

मंदिरों की आय पर सरकार का अधिकार नहीं : शंकराचार्य

भोपाल, 27 जून. द्वारका एवं शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने मंदिरों के प्रबंधन और उनकी आय को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि मंदिरों में सरकार का हस्तक्षेप समाप्त होना चाहिए और श्रद्धालुओं के चढ़ावे व दान का उपयोग जनकल्याण के कार्यों में किया जाना चाहिए. साथ ही अयोध्या राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की.

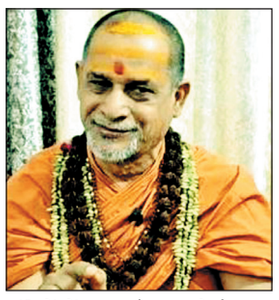

उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश के बड़े मंदिरों में दान और चढ़ावे के रूप में करोड़ों रुपये की आय होती है. मंदिरों के नियमित खर्च के बाद बचने वाली राशि का उपयोग उसी क्षेत्र के विकास में किया जाना चाहिए, जहां मंदिर स्थित है.

उन्होंने सुझाव दिया कि इस राशि से अस्पताल, पाठशालाएं, धर्मशालाएं, गौशालाएं और संस्कृत विद्यालय जैसे जनहित के कार्य संचालित किए जाएं, जिससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिल सके.

> शंकराचार्य ने कहा कि मंदिरों का धन किसी अन्य उद्देश्य पर खर्च नहीं होना चाहिए. धार्मिक संस्थाएं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं और उनकी आय का उपयोग जनकल्याण के लिए ही होना चाहिए. साथ ही उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी मामले में दोषियों को कठोर सजा देने की मांग भी की.

न्यायालय, आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, श्रम न्यायालय सतना म.प्र.

प्रकरण क्र.34/2026 डब्लू सी वि.

नत्थी दाहिया व अन्य -बनाम- संजय झूलवानी व अन्य

सूचना -पत्र

उपरोक्त प्रकरण में आपको/सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक स्व. बब्लू दाहिया, वाहन मालिक संजय झूलवानी के वाहन में कार्य के दौरान दिनांक 30.11.16 को दुर्घटना में मृत्यु हो गई है व श्रमिक नियोक्ता/बीमा कम्पनी द्वारा रु. 1316,550/-मृतक के आश्रितों में वितरण के लिए जमा कराया है.

उपरोक्त प्रकरण में क्षतिपूर्ति धन के वितरण हेतु सुनवाई दिनांक 30.07.26 को नियत की गई है.

अतः जो व्यक्ति/आप कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम की धारा 2 डी के अन्तर्गत मृतक के आश्रित हो तो वह सुनवाई दिनांक 30.07.26 को ठीक 11.00 बजे उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र एवं साक्ष्य नियमानुसार प्रस्तुत करे.

मृतक के आश्रित होने के प्रमाण हेतु स्थानीय मजिस्ट्रेट कलेक्टर या किसी शासकीय विज्ञप्ति अधिकारी द्वारा स्वयं का चित्र सत्यापित करवाकर पहचान हेतु प्रस्तुत करे.

यदि हो तो मृतक के नाबालिग बच्चों को भी साथ ले आये. साथ ही मृतक के आश्रित का स्थानीय पंचायत या नगर पालिका का प्रमाण पत्र भी ले आवें.

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 27.06.26 को जारी किया गया.

अभिषेक कुमार त्रिपाठी
आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधि.
श्रम न्यायालय सतना म.प्र.

पेज एक का शेष

युवा जोश के साथ बहुजन विचार का फार्मूला

कड़ाई से लागू किया जा रहा है. पिछले दिनों कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में सभी 60 सचिवों और प्रभारियों के साथ मैराथन बैठकें की थी. उस बैठक का उद्देश्य साफ था कि पिछले छह महीनों का लिखित रिपोर्ट कार्ड और परफॉर्मेंस की समीक्षा होगी और उसी आधार पर उनका भविष्य तय होगा. उस बैठक के बाद से ही कहा जा रहा था कि लगभग छह महासचिवों जिसमें रमेश चेन्निथला व बी.के. हरिप्रसाद भी शामिल हैं, सात प्रदेश प्रभारियों और तीस से ज्यादा सचिवों को पदमुक्त किया जाएगा. इसके अलावा लगभग आधा दर्जन प्रदेश अध्यक्षों की भी छुट्टी हो सकती है. अशोक गहलोत, अविनाश पांडेय, भूपेश बघेल, भूपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे कुछ वरिष्ठ नेताओं को मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व महाराष्ट्र का प्रभार दिया जा सकता है.

योगी का बेटियों को शिक्षा तोहफा

यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कक्षा नौ से 12 तक विद्यार्थियों से ली जा रही ट्यूशन फीस का पूरा विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. इस आंकड़े के आधार पर योजना का स्वरूप तय किया जाएगा, ताकि पात्र परिवारों की दूसरी बेटी को फीस में राहत का लाभ मिल सके.

पेज तीन का शेष

सरकार ने बांटे 1,274 करोड़

और मंडला के उद्यमियों से संवाद भी किया. इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 4 लाख 41 हजार से अधिक एमएसएमई यूनिट्स की कमान माताओं-बहनों के हाथों में है। गत वर्षों के मुकाबले वर्ष 2024 से 2026 के बीच एमएसएमई में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व 59 प्रतिशत बढ़ा है. राज्य सरकार ने प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए 16 कलस्टर का निर्माण किया है और 14 नए कलस्टर पर काम चल रहा है. राज्य सरकार ने आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को भोपाल में आयोजित करने का निर्णय लिया है. साथ ही वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया है.

महा आयोजन

सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला... सीएम बोले- 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे

समितियों में सेवानिवृत्तों को भी करेंगे शामिल

नवभारत न्यूज़

उज्जैन, 27 जून. वर्ष 1980 के सिंहस्थ से बात शुरू करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन में कहा कि किसी न किसी रूप में सिंहस्थ के आयोजनों से जुड़ा रहा हूं,यह महाकाल की कृपा है कि उज्जैन के बाशिंदे को सत्ता के शिखर पर पदस्थ किया और आप भी महाकाल की कृपा से ही उज्जैन में पदस्थ रहे हो ऐसे में बीते सिंहस्थ के जो अनुभव लिए हैं उसे आने वाले कुंभ के लिए साझा करें.

शनिवार को उज्जैन आए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है. यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है. इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से मोक्ष प्राप्त होता है. सिंहस्थ-2016 के अनुभव 2028 का संकल्प विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को सीएम ने संबोधित किया.सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए.

समितियों का होगा गठन

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1980 के सिंहस्थ में उन्होंने स्वयं भी स्काउट एंड गाइड वॉलेंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सेवा की थी. वर्ष 1992 में सिंहस्थ समिति की बैठकों में शामिल होने का अवसर भी मिला. सिंहस्थ समितियों में हर वर्ग के अनुभवी लोगों को शामिल कर उनके सुझाव लिए जाते हैं. आगामी सिंहस्थ के लिए सभी समितियों का गठन होना है. पहले सिर्फ उज्जैन के ही लोगों को समितियां में रखा जाता था इस बार पूरे प्रदेश के अनुभव अफसरो को रखेंगे और जो रिटायर हो गए हैं उन्हें भी मौका देंगे.